Exam. Code : 103201
Subject Code : 1042

B.A./B.Sc. Ist Semester

SANSKRIT ELECTIVE

(Kavya Evem Vyakaran)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— प्रश्नपत्र में चार भाग A, B, C, D दिए गए हैं। प्रत्येक भाग में दो प्रश्न हैं। इनमें से कोई पाँच प्रश्न करें। प्रत्येक भाग से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। पाँचवां प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।

भाग—A

I. निम्नलिखित में से किन्हीं चार श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(क) सेवा हि परमो धर्मः सेवैव परमं तपः।
सेवया लभते लोके 'वाहगुरुं' नु मानवः।।

(ख) जायन्ते च म्रियन्ते च सर्वे जगति नश्वरे।
सम्पाद्य शुभकर्माणि स्थिरी भवति को नहि।।

(ग) जीवन चरितं तस्य ब्रुवे संस्कृतभाषया।
शुभकर्मार्जितख्यातीन् विस्मरति न संस्कृतम्।।

Scanned with CamScanner

(घ) मदीयादुदराज्जातस्त्वं लोके शुभकर्मसु।
नित्यं भवसि मग्नश्चेत् तर्हि प्रभोः कृपा परा।।

(ङ) दूरीकर्तुं गृहक्लेशं दायं स्वीकृतवान् न सः।
परोपकारशीलेभ्यः दायो गुरुकृपातुता।।

(च) आश्रमं स तु दीनेभ्यो निर्मित्सते स्म वस्तुतः।
सहमाना जनाघातान् म्रियेरन्ते न वीथिषु।। 4×5=20

II. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :—

(क) 'पूर्णसार्धशतकम्' के निर्धारित भाग (1—32 श्लोक) के अनुसार भक्त पूर्ण सिंह के जीवन-चरित्र की किन्हीं पाँच विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

(ख) 'पूर्णसार्धशतकम्' के निर्धारित भाग का सार लिखें।

(ग) भक्त पूर्ण सिंह के जीवन से क्या शिक्षा मिलती है ?
2×10=20

भाग—B

III. अधोलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :—

(क) न करोति स्वयं लोके कारयति प्रतीयते।
कष्टग्रस्तजनोद्धारं पूर्णेन परमेश्वरः।।

(ख) पूर्णस्य चरणौ वन्द्यौ सेवासन्मार्गवर्तिनौ।
चुम्बनीयौ तदीयौ च परहितकरौ धरौ।।

(ग) शोकः सहैव हर्षेण मृत्युः सहैव जन्मना।
औदार्येणापि कार्पण्यं प्रतीप द्वन्द्व-संसृतिः।।

Scanned with CamScanner

(घ) सर्वान् स दीनसेवार्थं प्रेरयति करोत्यपि।
मनसि वचने कार्ये सत्पुंसामेकरूपता।।

(ङ) परेभ्यः आददन् दुःखमुदत सुखं ददन्।
लौहखण्डं यथा दत्त्वा लभते हेम कोऽपि चेत्।।

(च) धिक् खलु हस्तपादं तत् सेवां करोतिनात्र यत्।
सन्देशं गुरुवर्याणां हृदि कृत्वा समाचरत्।।

(छ) अनाथान् पीडितान् दीनानानीय पिंगलाश्रमे।
सेवा कर्म कृतं तेन सकल-लोक-विश्रुतम्।।

(ज) सत्स्वपि बहुविघ्नेषु नाऽऽशा-पल्लवमत्यजत्।
यतो गुरु महाराजः कृपां परां करिष्यति।। 4×5=20

IV. अधोलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए :—

(क) 'पूर्णसार्धशतकम्' के निर्धारित भाग (33—65 श्लोक) का सार लिखिए।

(ख) भक्त पूर्ण सिंह ने अपना सेवा कार्य किस भावना से और कहाँ से शुरु किया ? विस्तार सहित चर्चा करें।

(ग) भक्त पूर्ण सिंह के सेवा-कार्यों की चर्चा कीजिए।

2×10=20

भाग—C

V. निम्नांकित में से किन्हीं दस संख्याओं को संस्कृत में लिखिए :—

6, 13, 16, 23, 27, 34, 36, 39, 44, 49, 50, 55, 61, 66, 71, 78, 88, 96, 91, 100. 10×2=20

Scanned with CamScanner

VI. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए :—

पठ् — लट्। अस् — लृट्। नश् — लोट्।
स्मृ — लट्। 2×5=10

(ख) किन्हीं पाँच की सन्धि/सन्धिच्छेद करें :—

सेवार्थम्, कोऽपि, नात्र, करोत्यपि, नायकः, ने + अनम्, सह + एव, राजा + ऋषिः, नर + ईशः, सु + आगतम्।
5×2=10

भाग—D

VII. निम्नलिखित में से किन्हीं आठ अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :—

अधुना, यथा, तथा, सदा, कदा, श्वः, चिरम्, कुत्र, तत्र, सर्वत्र।

8×2½=20

VIII. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए :—

गम् — विधिलिङ्। हस् — लङ् लकार। शक् — विधिलिङ्।
नृत् — लङ् लकार। 2×5=10

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वर्णों का उच्चारण स्थान लिखिए :—

आ, ऊ, ए, घ्, ण्, ज्, भ्, व्, श्, ध्। 5×2=10

Scanned with CamScanner